बजाओ ताली तुम एक बार | By Pushpa Sankhala Bagri

बदलेगी तेरे हाथ की रेखा बजाले ताली यार
बजाओ ताली तुम एक बार

ये अनमोल श्वास है तेरा
ये विश्वास प्रभु पे मेरा
मैं ये कहता हूँ श्याम हमारा
कीर्तन करूँ गुणगान हूँ तेरा
इन हाथों के करम की रेखा
बदली मेरे सरकार
बजाओ ताली तुम एक बार
लगाओ जैकारा एक बार

मुश्किल में तेरे साथ चलेगा
पतवार बनाले किनारा मिलेगा
सौंप दे अपनी जीवन नैया
धड़कन दिल की आन सुनेगा
पागल समझ के ठुकरा देगी
झूठा जग संसार
बजाओ ताली तुम एक बार
लगाओ जैकारा एक बार

दोनों हाथ से बजती ताली
हर मुश्किल है श्याम ने टाली
यहाँ नाच ले बनके बावरा
नाचे मीरा ज्यूँ मतवाल
दर्शन कर तू प्यास बुझा ले
जोड़ ले सज्जन तार
बजाओ ताली तुम एक बार
लगाओ जैकारा एक बार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%93-%e0%a4%a4%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae-%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-pushpa-sankhala-bagri/